

टूर संदर्भ
LKR9FAMYNP

प्रकृति का सर्वश्रेष्ठ (15 दिन)

15 दिन · 14 रातें | ड्राइवर-गाइड के साथ निजी टूर

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

इस अनुभव के बारे में

यह 15 दिवसीय दौरा दक्षिण तट से श्रीलंका के वर्षा वन और वन्यजीवन क्षेत्र से होकर चलता है, फिर पहाड़ी क्षेत्र और सांस्कृतिक त्रिभुज में समाप्त होता है। यह गल्ले से शुरू होता है जहाँ तटीय आर्द्रभूमि और औपनिवेशिक किले की वास्तुकला है, फिर सिनहराजा वर्षा वन, याला के शुष्क-क्षेत्र के मैदान, और एला और नुवरा एलिया के पहाड़ी कस्बों की ओर बढ़ता है, फिर कैंडी, डाम्बुल्ला और सिगिरिया से होकर कोलंबो में समाप्त होता है।

यात्रियों को वन्यजीवन मुठभेड़ों का मिश्रण मिलता है (मदु नदी नाव यात्रा, सिनहराजा वन, याला और मिन्नेरिया सफारी, पिन्नावाला हाथी), बाहरी गतिविधि (सफेद पानी की राफ्टिंग, एला रॉक पर पैदल यात्रा, हॉर्टन प्लेन्स सैर), और विरासत स्थल (गल्ले किले, दांत रिलिक के मंदिर, डाम्बुल्ला गुफा मंदिर, सिगिरिया रॉक किले), साथ ही तटीय और पहाड़ी दृश्य और गाँव और कंडियन सांस्कृतिक जीवन का स्वाद।

दौरा पूरे समय एक निजी चालक-गाइड के साथ चलाया जाता है, जो यात्री को हर दिन एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में ले जाता है, जबकि उस पड़ाव के लिए वर्णित दर्शनीय स्थलों, गतिविधियों और स्थानीय परंपराओं को कवर करता है।



दिन-दर-दिन यात्रा कार्यक्रम

दिन 1 एयरपोर्ट → गॉल

यह यात्रा तटीय आर्द्रभूमियों से होकर एक नाव की सवारी और दक्षिणी तट के पास एक कछुआ संरक्षण परियोजना की यात्रा के साथ शुरू होती है।



माडू नदी

मैंग्रोव से घिरी माडू नदी में दो घंटे की नाव की सवारी, जिसमें धूप सेंकते मगरमच्छ और पानी के गोह, दालचीनी की कटाई वाला एक द्वीप, जलपक्षी और मछली से मसाज के लिए एक पड़ाव शामिल है।

SUPindia · CC BY-SA 4.0

कछुआ प्रजनन केंद्र

कोसगोडा टर्टल केयर प्रोग्राम की यात्रा, जो श्रीलंका के तटों पर अंडे देने वाली पांच लुप्तप्राय समुद्री कछुआ प्रजातियों के घोंसलों की रक्षा करता है। आगंतुक बेबी कछुओं को देख, छू और खिला सकते हैं, और केंद्र की देखरेख में रह रहे घायल वयस्क कछुओं को भी देख सकते हैं।

दिन 2 गॉल

पुराने पुर्तगाली और डच गढ़ गॉल की खोज में बीता एक दिन।



गॉल किला

एशिया के सबसे अच्छी तरह संरक्षित किलेबंदी में से एक, जिसमें संग्रहालय, एक प्रकाश स्तंभ और पत्थर से बनी गलियां हैं जो अब भी अपने डच नाम रखती हैं। किले के माध्यम से एक गाइडेड सैर में औपनिवेशिक काल की इमारतों और उनकी कहानियों को देखा जाता है, साथ ही किंग कोकोनट या एक कप चाय के लिए एक पड़ाव भी होता है।

Rovin Shanila · CC BY-SA 4.0

दिन 3 गॉल → सिंहराजा

सिंहराजा जाते समय, दिन में एक चाय फैक्ट्री और तट पर स्टिल्ट फिशिंग (डंडों पर मछली पकड़ने) की परंपरा को देखा जाता है।



हंडुनुगोडा चाय फैक्ट्री

वर्जिन व्हाइट टी बनाने के लिए प्रसिद्ध, जिसे हाथ से छुए बिना चुना और प्रोसेस किया जाता है। इस यात्रा में चाय और चॉकलेट केक के साथ एक चखने का सत्र शामिल है, साथ ही स्मृति चिन्ह के रूप में चाय की पत्तियां खरीदने का अवसर भी मिलता है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

कोग्गाला में स्टिल्ट फिशिंग

पीढ़ियों से इस कला का अभ्यास करने वाले मछुआरे तट के किनारे डंडों पर बैठते हैं। आगंतुक सुन सकते हैं कि स्टिल्ट फिशिंग श्रीलंका में कैसे आई और इस तकनीक को देख सकते हैं, साथ ही सूर्यास्त के समय तटरेखा के सामने मछुआरों की छाया चित्रित करने के अच्छे अवसर भी मिलते हैं।

दिन 4 सिंहराजा

सिंहराजा वन अभ्यारण्य में पूरा दिन, जो श्रीलंका का एकमात्र वर्षावन और एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।



सिंहराजा वन अभ्यारण्य

घने सदाबहार प्राचीन वन के माध्यम से एक जंगल सफारी, जिसमें ऊपर से बंदरों की आवाज़ें सुनाई देती हैं, रंग-बिरंगे वन पक्षियों की झलक मिलती है, और पत्तों के बीच एक हरे पिट वाइपर को देखने का मौका मिलता है।

Dan Lundberg · CC BY-SA 2.0

दिन 5 सिंहराजा → याला

याला जाने का मार्ग दुनिया के सबसे शक्तिशाली प्राकृतिक ब्लोहोल में से एक पर रुकता है।



हुम्मानाया ब्लोहोल

कुडावेला गांव के पास स्थित, यह संभवतः दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ब्लोहोल है। समुद्र का पानी चट्टान से होकर ऊपर की ओर एक गहरी गुनगुनाती आवाज़ के साथ उछलता है, जिससे इस ब्लोहोल को यह नाम मिला है।

Dan arndt · CC BY-SA 4.0

दिन 6 याला

द्वीप के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित याला राष्ट्रीय उद्यान में सफारी के लिए पूरा एक दिन।



याला राष्ट्रीय उद्यान

श्रीलंका का दूसरा सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान, जो अपनी तेंदुओं, जंगली जल भैंसों और स्लॉथ बियर की आबादी के साथ-साथ हाथियों के बड़े झुंडों के लिए प्रसिद्ध है। यह उद्यान कई अन्य स्तनधारियों, पक्षियों, रेंगने वाले जीवों, उभयचरों, मछलियों और अकशेरुकी जीवों का भी घर है।

Ranmith Welikala · CC BY-SA 4.0

दिन 7 याला → एला

इस दिन स्थानीय किंवदंती से जुड़े एक जलप्रपात और पहाड़ी इलाके के सबसे बेहतरीन दृष्टिकोणों में से एक तक की यात्रा शामिल है।

रावना एला (रावण जलप्रपात)

एला-वेल्लावाया मार्ग पर उदुनुवारा गांव के पास स्थित, यह जलप्रपात रावण की किंवदंती से जुड़ा है, जिसके बारे में कहा जाता है कि उसने राजकुमारी सीता को इसके पीछे एक गुफा में छिपाया था।

एला रॉक

लगभग तीन घंटे की चढ़ाई, जो क्षेत्र के सबसे ऊंचे दृष्टिकोणों में से एक तक ले जाती है, जिसमें रास्ते में नामुनुकुला पर्वतश्रेणी और लिटिल एडम्स पीक के दृश्य दिखते हैं। शीर्ष से बंदारवेला पर्वतश्रेणी, पूनागला पहाड़ियां, नरंगला, एला गैप और बदुल्ला की रेल पटरियों जैसे स्थलों को देखा जा सकता है।

दिन 8 एला → नुवारा एलिया

पूर्व ब्रिटिश पहाड़ी नगर नुवारा एलिया में बीता एक दिन।



नुवारा एलिया नगर

19वीं और 20वीं सदी की शुरुआत में ब्रिटिशों का प्रमुख अवकाश स्थल, जिसकी गलियों में उस युग के कॉटेज, विला और हवेलियां मौजूद हैं। मुख्य आकर्षणों में पुराना लाल ईंटों से बना डाकघर और क्वीन विक्टोरिया पार्क या लेक ग्रेगरी के किनारे आराम करने का समय शामिल है।

Abdul malik77 · CC BY-SA 4.0

दिन 9 नुवारा एलिया → हॉर्टन प्लेन्स → नुवारा एलिया

हॉर्टन प्लेन्स के पहाड़ी घास के मैदानों की एक दिन की यात्रा।



हॉर्टन प्लेन्स राष्ट्रीय उद्यान

ओहिया में पहाड़ी घास के मैदान और बादल वन, जहां से वर्ल्ड्स एंड की खाई और बेकर्स फॉल्स की ठंडी बौछार देखी जा सकती है। ये मैदान कई स्थानिक प्रजातियों का घर हैं और यहां पुरातात्विक खोजें भी हुई हैं।

Faslan at en.wikipedia · CC BY-SA 3.0

दिन 10 नुवारा एलिया → किथुलगला → कैंडी

कैंडी की यात्रा में व्हाइटवाटर राफ्टिंग और श्रीलंका के सबसे प्रसिद्ध हाथी अभयारण्य पर एक पड़ाव शामिल है।

केलानी नदी व्हाइटवाटर राफ्टिंग

केलानी नदी पर 5 किलोमीटर लंबे रैपिड्स में व्हाइटवाटर राफ्टिंग, जिसमें पूरे समय सुरक्षा उपाय मौजूद रहते हैं।



पिन्नावाला हाथी अनाथालय

सबारागामुवा प्रांत के पिन्नावाला गांव में स्थित, यह उन युवा हाथियों का घर है जो अपने प्राकृतिक आवास से विस्थापित या अलग हो गए हैं। लगभग 70 हाथियों के साथ, यह दुनिया का सबसे बड़ा कैद में रखा गया हाथियों का झुंड है, जो जानवरों के साथ नजदीकी अनुभव प्रदान करता है।

Bernard Gagnon · CC BY-SA 3.0

दिन 11 कैंडी

कैंडी की प्रदर्शन कलाओं को शहर के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल के साथ जोड़ने वाला एक दिन।



कैंडी सांस्कृतिक कार्यक्रम

पारंपरिक श्रीलंकाई कला रूपों का एक घंटे का प्रदर्शन, जिसमें अग्नि नर्तक, तलवार नर्तक और ढोल की थाप पर प्रदर्शन करने वाले कैंडी नर्तक शामिल हैं।

Arian Zwegers · CC BY 2.0



दलदा मालिगावा (टूथ रेलिक मंदिर)

16वीं सदी में भगवान बुद्ध के पवित्र दांत अवशेष को रखने और सुरक्षित रखने के लिए बनाया गया एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल। मंदिर में लाल, क्रीम और काले रंग में भव्य चित्रित हॉल, नक्काशीदार स्तंभ और सोने से मंडित मूर्तियां हैं।

A.Savin · FAL

दिन 12 कैंडी → मातले → दांबुला

इस दिन में दांबुला की गुफा मंदिरों की यात्रा के बाद मिन्नेरिया राष्ट्रीय उद्यान में दोपहर की सफारी शामिल है।



दांबुला का स्वर्ण मंदिर

पहली शताब्दी ईसा पूर्व की गुफा मंदिर, जिनमें भगवान गौतम बुद्ध के जीवन को दर्शाने वाले प्राचीन भित्तिचित्र और पांच मुख्य गुफाओं में सैकड़ों बुद्ध और देवी-देवताओं की मूर्तियां हैं, जिनमें देवराज गुफा, महाराजा गुफा और महा नवीन विहार शामिल हैं। गुफा परिसर से थोड़ी दूरी पर एक विशाल सुनहरी बुद्ध प्रतिमा खड़ी है।

Lankapic · CC BY 2.5



मिन्नेरिया राष्ट्रीय उद्यान

उद्यान में तीन घंटे की सफारी, जो ग्रेट एलीफेंट गैदरिंग के लिए प्रसिद्ध है, जब मई से अक्टूबर के शुष्क मौसम के दौरान 150 से अधिक हाथी एक स्थान पर इकट्ठा होते हैं। उद्यान की झाड़ीदार भूमि और वन कई अन्य स्तनधारियों, पक्षियों, रेंगने वाले जीवों और उभयचरों का भी घर हैं।

Stuart Pinkney · CC BY 2.0

दिन 13 दांबुला → सिगिरिया → कोलंबो

इस दिन में सिगिरिया शैल दुर्ग की चढ़ाई को पारंपरिक गांव जीवन के अनुभव के साथ जोड़ा गया है।



सिगिरिया शैल दुर्ग

राजा कश्यप द्वारा बनाया गया 5वीं सदी ईस्वी का एक शैल दुर्ग, जिसमें प्रवेश विशाल शेर के पंजों से बने एक द्वार से होता है, जिसकी वजह से इस स्थल को लायन रॉक नाम मिला। चढ़ाई के दौरान दुर्ग के प्रसिद्ध प्राचीन भित्तिचित्र, सीढ़ीदार बागान, अभी भी काम करने वाले जलाशय और एक तीव्र सीढ़ी दिखती है, जिसके सुरंगें महल के खंडहरों तक ले जाती हैं।

Wrobell · CC BY-SA 3.0

सिगिरिया ग्राम अनुभव

एक ऐसे गांव की यात्रा जो अपनी पारंपरिक जीवनशैली को बनाए रखता है, जिसमें बैलगाड़ी की सवारी, एक शांत झील पर कटमरैन सफारी, धान के खेतों में सैर और एक पारंपरिक खाना पकाने का प्रदर्शन शामिल है। यह अनुभव बुने हुए ट्रे पर कमल के पत्तों पर परोसे गए घर के बने भोजन के साथ समाप्त होता है।

दिन 14 कोलंबो

श्रीलंका की राजधानी की खोज में बीता एक दिन।



कोलंबो शहर भ्रमण

राजधानी के प्रमुख स्थलों का भ्रमण, जिसमें ओल्ड लाइटहाउस, ओल्ड पार्लियामेंट, गॉल फेस होटल, गॉल फेस ग्रीन, गंगाराम मंदिर और राष्ट्रीय संग्रहालय शामिल हैं, साथ ही इंडिपेंडेंस स्क्वायर और रेस कोर्स के आसपास मॉल, बुटीक और डिज़ाइनर स्टोरों में खरीदारी के लिए समय भी मिलता है।

Gihanud2001 · CC0

दिन 15 कोलंबो → एयरपोर्ट

नाश्ते के बाद, होटल से चेक आउट करें और प्रस्थान के लिए एयरपोर्ट स्थानांतरित हों।

क्या शामिल है

शामिल है

- Accommodation at 3 Star Hotels.
- Meal plan on Bed and Breakfast basis.
- Transport in a Private Vehicle, inclusive of all chauffeur accommodation.
- Service of an English-Speaking Chauffeur Guide throughout the tour.

शामिल नहीं है

- Hotel Accommodation.
- International / Domestic Airfare.
- Any expenses of personal nature.
- Entrance fees to the respective sites.